SAARTHI · सारथी

करियर मार्गदर्शन पोर्टल · Career Guidance Portal

"सही मार्गदर्शन, उज्ज्वल भविष्य।"

करियर शीट · CAREER SHEET

Geologist (Rajasthan)

भूवैज्ञानिक राज्य के खान एवं भूविज्ञान विभाग का वह अधिकारी है जो यह पता लगाता है कि ज़मीन के नीचे क्या है और उसका उपयोग किस प्रकार हो सकता है। काम में खनिज भंडारों का सर्वेक्षण एवं अन्वेषण, भूवैज्ञानिक मानचित्रण, नमूनों का संग्रह...

इस करियर की पूरी जानकारी — स्कैन करें

वेतन, परीक्षा, कॉलेज, प्रवेश के रास्ते और आगे के कदम — सब पोर्टल पर।

career.gsssjethantri.in/#/career/raj-geologist

राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जेठन्तरी

Govt. Sr. Sec. School, Jethantri · ब्लॉक समदड़ी · बालोतरा (Block Samdari · Balotra)

www.gsssjethantri.in · career.gsssjethantri.in

सुशील कुमार शर्मा
प्रधानाचार्य, रा.उ.मा.वि. जेठन्तरी · मास्टर ट्रेनर
Principal, GSSS Jethantri · Master Trainer

श्री चेनाराम चौधरी
प्रधानाचार्य, डाइट बाड़मेर
Principal, DIET Barmer

श्रीमती संघमित्रा
वरिष्ठ व्याख्याता, डाइट बाड़मेर (सहयोग)
Sr. Lecturer, DIET Barmer (Support)

भरत चौधरी
अभिकल्पना व विकास · व्याख्याता (इतिहास)
Designed & developed · Lecturer (History)

विशेष धन्यवाद · SPECIAL THANKS

सुरेन्द्र सिंह राठौड़
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. कानाना

सुरेश कुमार सैन
व्याख्याता (भूगोल) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

वनिता कुमारी
व्याख्याता (इतिहास) · रा.उ.मा.वि. रामसीन मूंगड़ा

कमलेश चौधरी
व्याख्याता (राजनीति विज्ञान) · रा.उ.मा.वि. टापरा

करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, डाइट बाड़मेर (14–17 जुलाई 2026) में विकसित व लोकार्पित

Developed & unveiled at the Career Guidance Workshop, DIET Barmer (14–17 July 2026)

यह एक स्वतंत्र परियोजना है, जो सरकार की आधिकारिक करियर-मार्गदर्शन सामग्री पर आधारित है। · An independent project based on the Government's official career-guidance content.

1 यह करियर क्या है

भूवैज्ञानिक राज्य के खान एवं भूविज्ञान विभाग का वह अधिकारी है जो यह पता लगाता है कि ज़मीन के नीचे क्या है और उसका उपयोग किस प्रकार हो सकता है। काम में खनिज भंडारों का सर्वेक्षण एवं अन्वेषण, भूवैज्ञानिक मानचित्रण, नमूनों का संग्रह एवं परीक्षण, खनन पट्टों एवं क्वारी लाइसेंस के लिए तकनीकी प्रतिवेदन तैयार करना, तथा भूजल एवं निर्माण-सामग्री से जुड़े प्रश्नों पर राय देना आता है। राजस्थान इस पद के लिए असामान्य रूप से महत्त्वपूर्ण राज्य है — देश के अनेक प्रमुख खनिजों का बड़ा भाग यहीं से आता है, और खनन राज्य के राजस्व का एक बड़ा स्रोत है। इसका सीधा परिणाम यह है कि यहाँ का खान एवं भूविज्ञान विभाग अन्य कई राज्यों की तुलना में बड़ा एवं अधिक सक्रिय है, और भूविज्ञान की डिग्री का यहाँ वास्तविक, दैनिक उपयोग होता है।

2 एक नज़र में

न्यूनतम योग्यता	भूविज्ञान अथवा अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में स्नातकोत्तर डिग्री, अथवा भारतीय खनि विद्यापीठ (आई.एस.एम.) धनबाद से अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में डिप्लोमा, अथवा सरकार द्वारा समकक्ष घोषित योग्यता — सेवा नियम 1960, अनुसूची
भर्ती संस्था	राजस्थान लोक सेवा आयोग (आर.पी.एस.सी.), अजमेर — विभाग: खान एवं भूविज्ञान
आयु-सीमा	20 से 40 वर्ष, आवेदन की अंतिम तिथि के बाद आने वाली 1 जनवरी को (सेवा नियम 1960, नियम 11) — आरक्षित वर्ग एवं महिला अभ्यर्थियों को ऊपरी आयु-सीमा में छूट मिलती है (विवरण नीचे)
आरंभिक वेतन	पे मैट्रिक्स स्तर सेवा नियमों में नहीं दिया — विज्ञप्ति देखें
माँग	75% सीधी भर्ती, 25% पदोन्नति से

3 क्या-क्या चाहिए

रुचियाँ

- चट्टानों, खनिजों एवं पृथ्वी की संरचना में रुचि
- प्रयोगशाला परीक्षण एवं आँकड़ों का विश्लेषण
- क्षेत्र में जाकर काम करना, केवल कार्यालय में नहीं

क्षमताएँ

- स्थानिक एवं त्रि-आयामी कल्पना — सतह से नीचे की संरचना का अनुमान लगाना
- क्षेत्र की कठिन परिस्थितियों में काम करने की शारीरिक क्षमता
- सावधान प्रेक्षण एवं व्यवस्थित अभिलेखन

ज़रूरी कौशल

- भूवैज्ञानिक मानचित्रण एवं क्षेत्र सर्वेक्षण
- शैल एवं खनिज पहचान, तथा प्रयोगशाला विश्लेषण
- खनन पट्टों एवं क्वारी लाइसेंस हेतु तकनीकी प्रतिवेदन
- खनिज विधि एवं पर्यावरणीय अनुपालन की जानकारी
- खनिज अन्वेषण, ड्रिलिंग एवं नमूना संग्रह
- सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस.
- भूजल एवं जल-भूविज्ञान की आधारभूत समझ

4 कैसे पहुँचें

1. कक्षा 12 विज्ञान से उत्तीर्ण करें।
2. भूविज्ञान सहित बी.एससी. करें। ध्यान रहे कि इस पद के लिए केवल स्नातक पर्याप्त नहीं है — स्नातकोत्तर आवश्यक है, इसलिए बी.एससी. को अंतिम पड़ाव न मानें।
3. भूविज्ञान अथवा अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में स्नातकोत्तर (एम.एससी.) करें। यही इस पद की मुख्य योग्यता है।
4. एक वैकल्पिक रास्ता भी नियमों में दर्ज है — भारतीय खनि विद्यापीठ, धनबाद से अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में डिप्लोमा, अथवा सरकार द्वारा समकक्ष घोषित कोई योग्यता। यह विकल्प नियम में स्पष्ट लिखा है, इसलिए यदि आपकी योग्यता इस श्रेणी में आती है तो आवेदन से पहले उसे समकक्षता की दृष्टि से अवश्य जाँचें।
5. आयु 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए, तथा हिन्दी का देवनागरी लिपि में कार्यसाधक ज्ञान एवं राजस्थान की संस्कृति का ज्ञान भी इन नियमों की शर्त है।
6. आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्ति आने पर आवेदन करें और आयोग की चयन प्रक्रिया में सम्मिलित हों।

प्रमुख परीक्षाएँ

- भर्ती राजस्थान लोक सेवा आयोग करता है। पद 75% सीधी भर्ती एवं 25% पदोन्नति से भरा जाता है, इसलिए विज्ञापित रिक्तियाँ कुल पदों से कम रहती हैं।
- पदोन्नति का रास्ता खान फ़ोरमैन के पद से आता है और उसकी दो शर्तों में से कोई एक पूरी होनी चाहिए — भूविज्ञान में स्नातकोत्तर के साथ उस पद पर 3 वर्ष का अनुभव, अथवा भूविज्ञान विषय सहित स्नातक के साथ 10 वर्ष का अनुभव। यह विभाग के भीतर काम कर रहे लोगों के लिए व्यावहारिक रूप से महत्त्वपूर्ण है: स्नातकोत्तर कर लेने पर प्रतीक्षा दस वर्ष से घटकर तीन वर्ष रह जाती है।

- योग्यता में विकल्प है और यह ध्यान देने योग्य है — स्नातकोत्तर डिग्री के समकक्ष आई.एस.एम. धनबाद का अनुप्रयुक्त भूविज्ञान डिप्लोमा भी नियम में स्वीकार्य है। ऐसे विकल्प सरकारी सेवा नियमों में कम मिलते हैं।
- ध्यान दें — यह पद सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूचियों में नहीं है, इसलिए इसके लिए सी.ई.टी. उत्तीर्ण करना आवश्यक नहीं।
- ऊपरी आयु-सीमा में छूट — अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अति पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के पुरुष अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; सामान्य वर्ग की महिला अभ्यर्थियों को 5 वर्ष; तथा इन्हीं वर्गों की महिला अभ्यर्थियों को 10 वर्ष। इसका सीधा अर्थ यह है कि किसी पद के आगे लिखी बिना छूट वाली आयु किसी आरक्षित वर्ग की महिला के लिए दस वर्ष कम बताती है — यदि आप उस श्रेणी में हैं तो अपनी पात्रता छूट जोड़कर ही तय करें। राजस्थान में सीधी भर्ती में महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% पद श्रेणीवार आरक्षित रहते हैं। विधवा एवं परित्यक्ता (तलाकशुदा) महिला अभ्यर्थियों के लिए कोई ऊपरी आयु-सीमा नहीं — नियमों में यही शब्द हैं। राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवा (संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा द्वारा सीधी भर्ती) नियम, 1999 के नियम 13(9) में, तथा राजस्थान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधीनस्थ सेवा नियमों के इसी परंतुक में यह प्रावधान दर्ज है, और आर.पी.एस.सी. की विज्ञप्तियाँ भी इसे दोहराती हैं। विधवा को सक्षम अधिकारी से पति का मृत्यु प्रमाण-पत्र और परित्यक्ता को तलाक का प्रमाण देना होता है। छूट एवं आरक्षण की सटीक शर्तें उसी भर्ती की विज्ञप्ति में दी जाती हैं।
- नाम-परिवर्तन की एक बात दर्ज करने योग्य है। यह पद पहले "कनिष्ठ भूवैज्ञानिक" (Junior Geologist) कहलाता था और 07.07.1978 की अधिसूचना से इसका नाम "भूवैज्ञानिक" कर दिया गया। इन्हीं नियमों की कुछ पुरानी पंक्तियों में अब भी पुराना नाम दिखता है — वे उसी पद की बात कर रही हैं।
- इसी सेवा नियमावली में सहायक खनन अभियंता (Assistant Mining Engineer) नाम का एक अलग पद भी है, जिसकी योग्यता खनन अभियांत्रिकी की डिग्री से जुड़ी है। उस पद का विवरण इस पृष्ठ पर नहीं दिया गया है, क्योंकि नियमों में उसकी प्रविष्टि अन्य पदों की पंक्तियों से उलझी हुई है और उसे स्पष्ट रूप से पढ़ा नहीं जा सका। भूविज्ञान एवं खनन अभियांत्रिकी दो भिन्न योग्यताएँ हैं — आवेदन से पहले विज्ञप्ति में यह अवश्य देखें कि वह किस पद के लिए है।

5 कहाँ से पढ़ें

सरकारी संस्थान

- University of Rajasthan — Department of Geology, M.Sc. — जयपुर, राजस्थान (https://uniraj.ac.in/)

- Mohanlal Sukhadia University — Geology — उदयपुर, राजस्थान (https://mlsu.ac.in/)
- Jai Narain Vyas University — Geology — जोधपुर, राजस्थान (https://jnvu.co.in/)
- Indian Institute of Technology (Indian School of Mines), Dhanbad — Applied Geology, named in the rule itself — धनबाद, झारखंड (https://www.iitism.ac.in/)

ऑनलाइन

- खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान — यही वह विभाग है जिसमें यह पद आता है (https://mines.rajasthan.gov.in/)
- Geological Survey of India — maps, reports and the national picture of Indian geology — भारत सरकार (https://www.gsi.gov.in/)
- Indian Bureau of Mines — mineral statistics and mining regulation — भारत सरकार (https://ibm.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भूविज्ञान एवं सुदूर संवेदन के निःशुल्क पाठ्यक्रम — भारत सरकार (https://swayam.gov.in/)
- आर.एस.एस.बी. — पिछले प्रश्न-पत्र, उत्तर कुंजी व पाठ्यक्रम (निःशुल्क) — राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक साइट — तैयारी के लिए सबसे भरोसेमंद निःशुल्क सामग्री (https://rsmssb.rajasthan.gov.in/show_archived?menuName=Xj4lCb9vGxpQnfLs%2FxlZ2g%3D%3D)
- विभागीय सेवा नियम (कार्मिक विभाग) — पद की योग्यता व आयु मूल दस्तावेज़ में पढ़ें — कार्मिक विभाग हर संवर्ग के सेवा नियम प्रकाशित करता है। किसी भी कोचिंग सामग्री से पहले यही पढ़ें — योग्यता, आयु और भर्ती की विधि यहीं तय होती है। (https://dop.rajasthan.gov.in/)
- स्वयं (SWAYAM) — भारत सरकार के निःशुल्क ऑनलाइन कोर्स — निःशुल्क (https://swayam.gov.in/)
- राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय (NDLI) — निःशुल्क पुस्तकें व अध्ययन सामग्री (https://ndl.iitkgp.ac.in/)
- एन.सी.ई.आर.टी. — निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें — सामान्य ज्ञान, गणित व विज्ञान की नींव (https://ncert.nic.in/)

फ़ीस

बी.एससी. एवं एम.एससी. दोनों राजस्थान के राजकीय विश्वविद्यालयों में बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध हैं, और भूविज्ञान विभाग जयपुर, उदयपुर एवं जोधपुर के विश्वविद्यालयों में हैं — अर्थात् इस पद तक पहुँचने के लिए राज्य से बाहर जाना आवश्यक नहीं। क्षेत्र-कार्य (फ़ील्ड वर्क) पाठ्यक्रम का ही भाग होता है और उसका खर्च विश्वविद्यालय वहन करता है। तैयारी की सामग्री का एक बड़ा एवं उत्तम भाग निःशुल्क है: भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं भारतीय खान ब्यूरो की प्रतिवेदन तथा मानचित्र सार्वजनिक हैं, और वे उसी प्रकार की सामग्री हैं जिस पर यह पद रोज़ काम करता है। एम.एससी. के बाद यू.जी.सी.-नेट अथवा गेट देने पर शोध एवं अन्य सरकारी संस्थानों के रास्ते भी खुलते हैं, इसलिए यह पढ़ाई केवल एक पद पर निर्भर नहीं छोड़ती।

छात्रवृत्तियाँ

- Mukhyamantri Anuprati Coaching Yojana (free coaching, apply via SSO) (https://sso.rajasthan.gov.in/signin)
- Rajasthan Social Justice and Empowerment Dept scholarships (https://sje.rajasthan.gov.in/)
- National Scholarship Portal (NSP) (https://scholarships.gov.in/)
- Buddy4Study scholarship search (https://www.buddy4study.com)

6 काम कैसा होता है

कहाँ काम

खान एवं भूविज्ञान विभाग के ज़िला एवं क्षेत्रीय कार्यालय, अन्वेषण एवं सर्वेक्षण के क्षेत्र-शिविर, तथा विभागीय प्रयोगशालाएँ। राजस्थान के खनिज क्षेत्र — उदयपुर, राजसमंद, भीलवाड़ा, नागौर, जैसलमेर, बीकानेर एवं अन्य — इस काम के मुख्य क्षेत्र हैं।

कार्य-संस्कृति

काम कार्यालय एवं क्षेत्र दोनों में बँटा रहता है, और क्षेत्र-कार्य इस पेशे का वास्तविक केंद्र है — सर्वेक्षण के दिनों में दूरस्थ स्थानों पर, कभी शिविर में, गर्मी एवं कठिन भूभाग में काम करना पड़ता है। यह उन लोगों के लिए आकर्षक है जिन्हें मेज़ पर बैठे रहना नहीं भाता, और उन्हीं के लिए कठिन है जो स्थिर दिनचर्या चाहते हैं। दूसरा पक्ष प्रशासनिक एवं विधिक है: खनन पट्टों एवं क्वारी लाइसेंस पर तकनीकी प्रतिवेदन इसी पद से जाते हैं, और उन प्रतिवेदनों से बड़े आर्थिक हित जुड़े होते हैं — इसलिए यहाँ भी, कारखाना निरीक्षक की तरह, लिखित अभिलेख एवं नियम-संदर्भ की सावधानी काम का स्थायी अंग है। राजस्थान में खनन राजस्व का बड़ा स्रोत है, इसलिए इस विभाग का काम राज्य की अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ा रहता है और उसका महत्त्व विभाग के भीतर स्पष्ट दिखाई देता है।

कौन नौकरी देता है

- खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान
- ज़िला एवं क्षेत्रीय खनिज कार्यालय
- विभागीय अन्वेषण इकाइयाँ एवं प्रयोगशालाएँ
- राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम (आर.एस.एम.एम.एल.)

माँग (2026)

राजस्थान खनिज की दृष्टि से देश के सबसे महत्त्वपूर्ण राज्यों में है और खनन यहाँ के राजस्व का बड़ा स्रोत है, इसलिए भूवैज्ञानिकों की आवश्यकता विभाग में स्थायी रूप से बनी रहती है। फिर भी यह संवर्ग बड़ा नहीं है और भर्ती हर वर्ष नहीं आती — 25% पद पदोन्नति से भरे जाते हैं, इसलिए सीधी भर्ती की रिक्तियाँ और भी कम रह जाती हैं। इसकी व्यावहारिक सलाह यह है कि एम.एससी. भूविज्ञान को केवल इसी पद की तैयारी न मानें: वही डिग्री भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं अन्य केंद्रीय संस्थानों की भर्ती, राज्य के खनिज निगम, भूजल विभाग, तथा निजी क्षेत्र की खनन एवं अन्वेषण कंपनियों में भी चलती है, और गेट अथवा नेट के साथ शोध का रास्ता भी खुला रहता है। पदों की संख्या विभाग की आवश्यकता बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। एक बात स्पष्ट रहे — ऊपर दी गई "माँग" पदों की संख्या बताती है, आपके चयन की संभावना नहीं। चयन खुली प्रतियोगिता से होता है और आवेदन करने वालों की संख्या पदों से कई गुना अधिक रहती है, इसलिए अधिकांश अभ्यर्थी किसी एक भर्ती में चयनित नहीं हो पाते। यह इस करियर के विरुद्ध तर्क नहीं है — बस इसे अपनी एकमात्र योजना न बनाएँ। तैयारी के साथ-साथ पढ़ाई जारी रखें या कोई कौशल सीखें, ताकि परिणाम चाहे जो हो, वर्ष व्यर्थ न जाए।

7 आगे बढ़ने का रास्ता

1. भूवैज्ञानिक — प्रवेश का पद, 75% सीधी भर्ती (पूर्व नाम: कनिष्ठ भूवैज्ञानिक)

2. वरिष्ठ भूवैज्ञानिक — पदोन्नति से, भूविज्ञान अथवा अनुप्रयुक्त भूविज्ञान में द्वितीय श्रेणी स्नातकोत्तर सहित, 5 वर्ष की सेवा पर
3. अधीक्षण भूवैज्ञानिक — वरिष्ठ भूवैज्ञानिक के पद पर 5 वर्ष के अनुभव पर, 100% पदोन्नति से
4. संयुक्त निदेशक (तकनीकी) — नियमों में यह पद, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एवं विशेष अधिकारी (परियोजना) समकक्ष एवं स्थानांतरण हेतु विनिमेय माने गए हैं

कमाई

शुरुआत	विज्ञप्ति में घोषित पे मैट्रिक्स स्तर के अनुसार
मध्य स्तर	₹60,000 – ₹80,000 (भत्तों सहित, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक स्तर पर)
वरिष्ठ स्तर	₹95,000 से अधिक (भत्तों सहित, अधीक्षण भूवैज्ञानिक एवं संयुक्त निदेशक स्तर पर)

1960 के सेवा नियमों में पे मैट्रिक्स का स्तर नहीं दिया गया, इसलिए आरंभिक वेतन इस पृष्ठ पर आँकड़े के रूप में नहीं लिखा गया — वह उसी चक्र की विज्ञप्ति में मिलेगा। यह स्नातकोत्तर योग्यता वाला राजपत्रित स्तर का पद है, इसलिए इसका वेतनमान केवल स्नातक माँगने वाले पदों से ऊपर रहता है। क्षेत्र-कार्य से जुड़े भत्ते भी विभागीय नियमों के अनुसार मिलते हैं। ऊपर दिए मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के आँकड़े अनुमानित हैं और किसी आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं; उन्हें दिशा समझें, वचन नहीं। शुरुआती वेतन का आँकड़ा मूल वेतन है, ताकि इसे दूसरे करियर के साथ सीधे तुलना किया जा सके। इस पर महँगाई भत्ता (1 जनवरी 2026 से मूल वेतन का 60%) एवं मकान किराया भत्ता अलग से जुड़ते हैं, इसलिए हाथ में आने वाली राशि इससे काफ़ी अधिक होती है। मध्य-स्तर व वरिष्ठ स्तर के आँकड़े भत्तों सहित अनुमानित मासिक आय हैं, मूल वेतन नहीं। ध्यान दें — राजस्थान में सीधी भर्ती से लगे कर्मचारी पहले 2 वर्ष परिवीक्षाधीन प्रशिक्षणार्थी रहते हैं और इस अवधि में वेतनमान नहीं, बल्कि एक नियत पारिश्रमिक मिलता है; इन दो वर्षों में महँगाई भत्ता व मकान किराया भत्ता देय नहीं होते (राजस्थान सेवा नियम, नियम 7(30क))। पूरा वेतनमान परिवीक्षा पूरी होने के बाद लागू होता है। इस पद का पे मैट्रिक्स स्तर इस पृष्ठ पर आधिकारिक दस्तावेज़ से पुष्ट नहीं किया जा सका — न सेवा नियमों में, न सी.ई.टी. नियम 2022 की अनुसूची में। इसलिए यहाँ कोई स्तर नहीं लिखा गया है। सही आँकड़ा उस भर्ती की आधिकारिक विज्ञप्ति में दिया जाता है; आवेदन से पहले उसे अवश्य देखें। ऊपर दिए गए आँकड़े राजस्थान के सातवें वेतन मैट्रिक्स पर आधारित हैं, जो 17 अगस्त 2026 तक लागू है। आठवें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन की शर्तें 28 अक्टूबर 2025 को स्वीकृत हुई थीं और आयोग को गठन से 18 माह के भीतर सिफ़ारिशें देनी हैं। राज्य सरकारें केंद्रीय वेतन आयोग की सिफ़ारिशें आमतौर पर कुछ संशोधनों के साथ, और कुछ देर से, लागू करती हैं — इसलिए राजस्थान का वेतनमान भी आगे संशोधित होगा, यद्यपि कब और कितना, यह अभी तय नहीं है।

8 अच्छी बातें · चुनौतियाँ

अच्छी बातें

- भूविज्ञान की पढ़ाई का सीधा एवं दैनिक उपयोग
- राजस्थान खनिज की दृष्टि से महत्त्वपूर्ण राज्य है, इसलिए यहाँ यह विभाग बड़ा एवं सक्रिय है
- क्षेत्र एवं कार्यालय दोनों का मिश्रण — दिनचर्या एक जैसी नहीं रहती
- वही एम.एससी. केंद्रीय संस्थानों, निगमों एवं निजी क्षेत्र में भी चलती है
- योग्यता में आई.एस.एम. धनबाद के डिप्लोमा का विकल्प भी नियम में स्वीकार्य है

चुनौतियाँ

- स्नातकोत्तर आवश्यक है — बी.एससी. के बाद सीधे यह पद नहीं मिलता
- क्षेत्र-कार्य कठिन परिस्थितियों में होता है, और यात्रा एवं शिविर इसका नियमित भाग हैं
- संवर्ग छोटा है, 25% पद पदोन्नति से भरते हैं, और भर्ती हर वर्ष नहीं आती
- खनन पट्टों से जुड़े प्रतिवेदनों में आर्थिक हितों का दबाव आता है

9 स्रोत व आगे पढ़ें

1. कार्मिक विभाग, राजस्थान — राजस्थान खान एवं भूवैज्ञानिक सेवा नियम, 1960 — https://dop.rajasthan.gov.in/writereaddata/modulCategory/2023120504545123797 82mines1960_merged.pdf

2. राजस्थान लोक सेवा आयोग — विज्ञप्तियाँ — https://rpsc.rajasthan.gov.in/advertisements

3. खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान — https://mines.rajasthan.gov.in/

4. भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण — https://www.gsi.gov.in/

5. राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (आधिकारिक) — https://rssb.rajasthan.gov.in/

6. कार्मिक विभाग, राजस्थान — सेवा नियम — https://dop.rajasthan.gov.in/

7. आठवाँ केंद्रीय वेतन आयोग — मंत्रिमंडल की स्वीकृति (पी.आई.बी., 28 अक्टूबर 2025) — https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=2183289

और 770+ करियर — पूरा पोर्टल

रुचि व योग्यता परीक्षण, सरकारी नौकरियाँ, कौशल पाठ्यक्रम, बायोडाटा बनाने की सुविधा — सब मुफ़्त, बिना लॉगिन, इंटरनेट के बिना भी।

career.gsssjethantri.in